बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-345
30/09/2019

राज्य में भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति एवं किये जा रहे राहत कार्यों की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

पटना, 30 सितम्बर 2019 :– मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के जिलाधिकारियों से राज्य में भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति एवं राहत कार्यों की जानकारी ली।

समीक्षा के क्रम में भारतीय मौसम विज्ञान के प्रतिनिधि ने बताया कि पिछले तीन दिनों में पटना में 342.5 मी0मी0 वर्षा हुयी है, जबकि समस्तीपुर में 400 मी0मी0 वर्षा हुयी है। अगले 24 घंटे में छह जिलों–पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया, भागलपुर और बॉका में भारी बारिश का अनुमान है। अगले तीन दिनों में राज्य के कुछ इलाकों में सामान्य वर्षा होगी और उसके बाद स्थिति सामान्य हो जायेगी।

मुख्यमंत्री को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बक्सर, आरा, रोहतास, नालंदा, नवादा, भागलपुर, कटिहार, खगड़िया, जहानाबाद, अरवल, बेगूसराय, मुँगेर, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर जिले के जिलाधिकारियों ने अपने–अपने जिलों में वर्षापात की स्थिति, जलजमाव की स्थिति, नदियों के जलस्तर की स्थिति, तटबंधों की निगरानी कार्य, नावों की व्यवस्था, दवा की उपलब्धता, चलाये जा रहे रिलीफ कैंप, चलाये जा रहे कम्युनिटी किचेन आदि सहित आपदा से निपटने की तैयारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने भी मुख्यमंत्री को पूरी स्थिति से अवगत कराया।

पटना जिला की स्थिति की समीक्षा के क्रम में पटना के जिलाधिकारी श्री कुमार रवि ने पटना में भारी बारिश के बाद जलजमाव की स्थिति की जानकारी दी और किये जा रहे राहत कार्यों के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि राजेन्द्र नगर, कंकड़बाग, भूतनाथ रोड, कांटी फैक्ट्री रोड, मलाही पकड़ी, एस0के0 पुरी क्षेत्र में ज्यादा जलजमाव है। लोगों को राहत पहुँचाने के लिये आधा लीटर दूध पैकेट सहित पीने के पानी का बोतल, पीने के पानी का पाउच उपलब्ध कराया गया। कल सुबह 5 बजे से ही ज्यादा से ज्यादा मात्रा में लोगों को सामग्री उपलब्ध कराकर राहत पहुँचायी जायेगी। राजेन्द्र नगर इलाके में बोट के माध्यम से लोगों को घरों से बाहर निकाला जा रहा है। एयर ड्रॉप के माध्यम से राजेन्द्र नगर के पश्चिमी इलाके एवं अन्य क्षेत्रों में फुड पैकेट तथा अन्य सामग्री पहुँचायी जा रही है।

नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव श्री चैतन्य प्रसाद ने बताया कि राजेन्द्र नगर इलाके का पानी का निकास पहाड़ी से होता है। वहॉ पर 198 एच0पी0 का मशीन पहले से काम कर रहा है और 575 एच0पी0 का डीजल मशीन लगाया गया है। अन्य क्षेत्रों में भी जलनिकासी का कार्य किया जा रहा है। समीक्षा के क्रम में बताया गया कि छतीसगढ़ से भी पानी निकालने के लिये बड़ा पम्प मंगवाया जा रहा है।

ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने कहा कि जलजमाव वाले क्षेत्रों में विद्युत की आपूर्ति इसलिये रोक दी गयी है ताकि किसी प्रकार की अनहोनी न हो क्योंकि जलस्तर बिजली के तार के आसपास पहुँचा हुआ है। बिजली की कोई कमी नहीं है। जलजमाव हटते ही विद्युत आपूर्ति बहाल हो जायेगी।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेसिंग के दौरान कहा कि वर्षापात के बाद जहॉ जलजमाव की स्थिति है, उसके निकासी का काम तेजी से करें। जहॉ नदियों के जलस्तर में वृद्धि की स्थिति बनती है, वहॉ सभी जिलाधिकारी रिलीफ कैम्प हेतु जगहों का चयन कर लें और स्थिति से निपटने को पूरी तरह तैयार रहें। नदियों के जलस्तर पर सतत् निगरानी रखी जाय। कम्युनिटी किचेन की व्यवस्था सुनिश्चित रखें और जहॉ जरूरत हो उसकी संख्या बढ़ायें। दवा की उपलब्धता भी रखें। जिले के प्रभारी अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव जिले में जाकर दो–तीन दिन कैम्प कर स्थिति की जानकारी लें और किये जा रहे राहत कार्यों पर नजर रखें। जिन जिलों में मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट लागू नहीं है, वहॉ प्रभारी मंत्री भी कैम्प करें और राहत कार्यों पर नजर रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना में जहॉ ट्रैक्टर जाना संभव नहीं हो, वहॉ फुड पैकेट का वितरण एयर ड्रॉप के माध्यम से कल से और ज्यादा मात्रा में करायें। जहॉ जाने की सुविधा हो, वहॉ लोगों को फुड पैकेट घरों में पहुॅचायें। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में दिन–रात गश्ती कार्य भी करें ताकि लोगों का मनोबल बढ़ा रहे और असामाजिक तत्वों पर भी कड़ी नजर रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराकर उनका विश्वास जीतें।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरान्त मुख्य सचिव एवं प्रधान सचिव आपदा प्रबंधन विभाग ने पत्रकारों को संबोधित किया तथा बैठक की जानकारी दी।

विडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, ऊर्जा मंत्री श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, नगर विकास एवं आवास मंत्री श्री सुरेश शर्मा, जल संसाधन मंत्री श्री संजय झा, लघु जल संसाधन मंत्री श्री नरेन्द्र नारायण यादव, आपदा प्रबंधन मंत्री श्री लक्ष्मेश्वर राय, मुख्यमंत्री के परामर्शी श्री अंजनी कुमार सिंह, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक श्री गुप्तेश्वर पाण्डेय, अपर मुख्य सचिव गृह श्री आमिर सुबहानी, आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव श्री प्रत्यय अमृत, प्रधान सचिव वित श्री एस0 सिद्धार्थ, प्रधान सचिव स्वास्थ्य श्री संजय कुमार, प्रधान सचिव नगर विकास एवं आवास श्री चैतन्य प्रसाद, प्रधान सचिव पथ निर्माण श्री अमृत लाल मीणा, जल संसाधन विभाग के सचिव श्री संजीव कुमार हंस, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, अपर सचिव मुख्यमंत्री सचिवालय श्री चन्द्रशेखर सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, समादेष्टा एन0डी0आर0एफ0 श्री विजय सिन्हा, समादेष्टा एस0डी0आर0एफ0 मो0 फर्गुद्दीन, आई0एम0डी0 के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

******